मूल्य - 5 रुपये

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारांशु

हिन्दी मासिक

वर्ष-1, अंक - 5, पृ.सं.-24

मार्च, 2012

डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के आशीर्वाद से

संपादक :- कल्पना गोयल

मुख्य संरक्षक :- श्री एन.पी. भार्गव (दिल्ली)

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002

मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com Website : www.tarasociety.org

तारांशु हिन्दी मासिक, मार्च, 2012

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यूट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान को मेरा आशीर्वाद.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर,
आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. कैलाश 'मानव'

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ, वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर 'तारा संस्थान' के सभी सेवा - प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आनन्द वृद्धाश्रम उद्घाटन के दृश्य

श्रीमती कल्पना गोयल, श्रीमती शमा सचदेवा, श्री रमेश सचदेवा, श्री दीपेश मित्तल 'तारा नेत्रालय' में

श्रीमती शमा सचदेवा व श्री रमेश सचदेवा द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम का फीता खोल कर उद्घाटन, मध्य में श्रीमती कल्पना गोयल, कु. आस्था गोयल एवं श्रीमती कमला देवी अग्रवाल

अतिथि 'तारा नेत्रालय' वार्ड में

अतिथि महोदय आनन्द वृद्धाश्रम में आवासियों से बातचीत करते हुए

'आनन्द वृद्धाश्रम' उद्घाटन समारोह में मंचासीन विशिष्ट अतिथि

उद्घाटन सत्र में विराजमान आमन्त्रित अतिथि एवं गण्यमान्य नागरिक

तारांशु - अंक - 5, मार्च, 2012

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम उद्घाटन दृश्य	2
सुख की चाह में	4
आनन्द वृद्धाश्रम का भव्य उद्घाटन	5-7
सेवा का अनुपम अनुष्ठान	8
''तारा'' के सेवा प्रकल्प	9-17
- आनन्द वृद्धाश्रम	9
- तृप्ति योजना	10
- गौरी योजना	11-12
मोतियाबिन्द ऑपरेशन - चयन शिविर	13-18
मोतियाबिन्द शिविर सेवा सौजन्य	19
दानदाताओं के प्रति आभार	20-22
इन्हें मिली नेत्र ज्योति	23

↑ गौरी योजना

↓ तृप्ति योजना

↑ नेत्र चिकित्सा

↓ वृद्धाश्रम

सुख की चाह में.....

ऐसा शायद ही कोई प्राणी हो, जिसे सुख ही चाह न हो। जीव-जन्तु, पशु-पक्षी, नर-नारी सभी को सुख अभिमत होता है, प्रिय होता है। सभी प्राणी सुख की सनातन स्थिति में रहने के लिए प्रयासरत होते हैं, क्योंकि सुख हमारा स्वभाव है। हमारा प्राण यही चाहता है कि हमें, हमारे शरीर को कोई कष्ट या पीड़ा नहीं हो। यहाँ सुख की बात हम केवल भौतिक या शारीरिक सन्दर्भ में ही कर रहे हैं।

हमारा जीवन अनेक प्रकार की पीड़ाओं और कष्टों से घिरा हुआ है। आँखें खोलकर अपने चारों ओर के परिवेश संसार को देखने भर की देरी है, हर कोई किसी-न-किसी सुख की तलाश में भटकता - दौड़ता दिखाई देगा। गहराई से देखें और अपना ध्यान किसी व्यक्ति पर केन्द्रित करें तो पाएँगे कि बेचैन, बदहाल, व्याकुल वह व्यक्ति किसी-न-किसी पीड़ा से, कष्ट से छुटकारा पाना चाहता है। हम मन और भावों से जितने अधिक संवेदनशील होंगे, हमें दूसरों की पीड़ाओं की अनुभूति उतनी ही अधिक गहराई से होगी। 'तारा संस्थान' के सेवा प्रकल्पों को चलाते हुए हमें मानव जीवन की जिन पीड़ाओं से प्रत्यक्ष हुआ है, वे वर्णनातीत है। शब्दों में हम शायद उनके कष्टों का यथा-यथ कथन न कर सकें।

आदिवासी क्षेत्र, दूर-दराज गाँवों में रहने वाले बुजुर्ग बन्धु जिन्हें मोतियाबिन्द के कारण दिखाई नहीं देता, अपने नित्यकर्म करने में भी पग-पग पर ठोकरें खाने की पीड़ा। प्रथम तो उन्हें यह जानकारी ही नहीं कि मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवा कर खोई दृष्टि पुन: प्राप्त की जा सकती है, और यदि जानकारी है भी तो उनके पास ऑपरेशन करवाने के लिए आवश्यक रुपये-पैसे नहीं। हालाँकि, इस कार्य में कोई बहुत बड़ी रकम नहीं लगती, औसतन 3000 रु. में एक ऑपरेशन करवाया जा सकता है, उसे 'सुख' का प्रसाद दिया जा सकता है।

तो कहीं अन्यत्र - अत्यन्त निर्धन क्षीणकाय वृद्ध महिला-पुरुष, परिवार में कोई नहीं, मजदूरी करने में अक्षम, टूटे-फूटे झोपड़ों में गुजर-बसर करने को मजबूर। आय का कोई साधन नहीं। किसी भले आदमी की दया से कभी भोजन मिल जाए, पर गाँवों में तो प्राय: सभी निर्धन, चाहकर भी कोई किसी की कहाँ तक सहायता करे - अत: कई बार भूखे पेट ही सोने को मजबूर। प्रयास करने और उदार मन से सहायता करने पर केवल 1500रु. प्रतिमाह के सहयोग से एक व्यक्ति को भूख की पीड़ा से मुक्त करके उसे 'सुख' का दान किया जा सकता है।

इसी तरह किसी असहाय विधवा महिला को 1000रु. प्रतिमाह का सहयोग करके उसके चेहरे पर आने वाले भावों में 'सुख' देखा जा सकता है, या फिर आनन्द वृद्धाश्रम में आश्रय पाने वाले असहाय बुजुर्गों के चेहरों पर दिखने वाला 'सुख' का अहसास।

ये सभी सुख की चाह में हैं, और इन्हें 'सुख' का उपहार देना जरा भी कठिन नहीं। तारा संस्थान द्वारा की जा रही छोटी-छोटी पहल को देख कर आपका मन भी 'सुख' के सजीव अहसास से लक्षालब हो जायेगा। आप 'तारा संस्थान' में पधारें, आपका स्वागत करके 'सुख' की चाह में हमारे प्रयासों को संबल मिलेगा।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

आनन्द वृद्धाश्रम का भव्य उद्घाटन

उद्घाटन उद्बोधन करते हुए श्री रमेश सचदेवा

'तारा संस्थान' उदयपुर का असहाय, एकाकी, बुजुर्गों की नि:शुल्क मानवीय सेवा का अभीसित संकल्प शुक्रवार, 03 फरवरी, 2012 को उस समय पूरा हुआ जब एक भव्य समारोह में दिल्ली के सुप्रसिद्ध समाज सेवी एवम् उद्योगपति श्री रमेश सचदेवा तथा श्रीमती शमा सचदेवा के पावन कर-कमलों से 'आनन्द वृद्धाश्रम' का विधिवत् उद्घाटन सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर की ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती कमला देवी अग्रवाल ने की। इस अवसर पर देश के कई शहरों व लंदन से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों व नगर के गण्यमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

समारोह से पूर्व अतिथि महानुभावों का आनन्द वृद्धाश्रम में आवास हेतु समागत असहाय बुजुर्गों से परिचय करवाया गया व अतिथियों ने आनन्द वृद्धाश्रम का अवलोकन करते हुए यहाँ उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। समारोह के लिए विशेष रूप से सुसज्जित मंच पर अतिथियों के आसन ग्रहण करने पर 'तारा संस्थान' की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने भाव विह्वल होते हुए असहाय बुजुर्गों की शोचनीय दशा का उल्लेख किया और उनके दु:खों का निवारण करने के उद्देश्य से आनन्द वृद्धाश्रम की स्थापना के प्रेरक घटकों का वर्णन किया। समारोह की अध्यक्ष श्रीमती कमला देवी अग्रवाल ने अपनी पुत्री श्रीमती कल्पना गोयल की संवेदनशीलता और दु:ख कातरता के कई प्रसंगों का स्मरण करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके द्वारा प्रारंभ किये गये इस अभिनव सेवा-प्रकल्प से निराश्रय बुजुर्गों के जीवन में आनन्द का संचार होगा। 'तारा संस्थान' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपेश मित्तल ने 'तारा' द्वारा संचालित किये जा रहे विविध सेवा-प्रकल्पों व 'आनन्द वृद्धाश्रम' से अतिथियों को अवगत कराया।

अतिथि प्रवेश द्वार पर

आवासीय कक्ष में

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री सचदेवा दम्पती व अध्यक्ष श्रीमती कमला देवी अग्रवाल को माल्यार्पण, पगड़ी, ओपरणा व अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, दानदाताओं व नगर के गण्यमान्य नागरिकों का पगड़ी, माल्यार्पण, ओपरणा व स्मृतिचिह्न भेंट कर स्वागत, सम्मान किया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्री रमेश सचदेवा ने निराश्रय बुजुर्गों के लिए नि:शुल्क भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल सहित आवासीय सुविधायुक्त आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ करने के लिए 'तारा संस्थान' की प्रशंसा की तथा 'तारा' के सेवा-प्रकल्पों को निर्बाध संचालित करने में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। आपने परामर्श दिया कि 'तारा' को अपने मोतियाबिन्द ऑपरेशन के सेवा प्रकल्प का विस्तार करते हुए दिल्ली आदि क्षेत्रों में नियमित रूप से नि:शुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिये। श्रीमती शमा सचदेवा ने आशा व्यक्त की कि मानवीय सेवा-प्रकल्पों को करुण हृदय लोगों का सहयोग सदैव मिलता रहेगा। खान एवं खनिज विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक श्री सुरेशचन्द्र मित्तल ने आनन्द वृद्धाश्रम का शुभारंभ सामयिक अपेक्षाओं के अनुरूप बताया और कहा कि इससे असहाय वृद्धों को जीवन में सहारा मिलेगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि हर्षा बेन (लंदन), श्री लालबहादुर शास्त्री (भिवानी), श्री अनिल गोडबोले (उज्जैन), रामेश्वरी जी शर्मा (सोनीपत), श्री जगदीश भार्गव (कानपुर), श्री प्रेमनारायण (अम्बाला) श्रीराजकुमार (मेरठ), डॉ. बिसारिया (उदयपुर), श्री देवशरण रामायणी (दिल्ली), श्री ओमप्रकाश जी गुप्ता (उदयपुर) सहित अन्य अतिथियों व दानदाताओं ने इस अवसर पर अपने विचार और शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। सैंकड़ों अन्य आमन्त्रित अतिथियों ने - जो अपरिहार्य कारणों से समारोह में उपस्थित नहीं हो सके, पत्र प्रेषित कर अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। 'तारा' निदेशक (प्रशासन) श्री विजयसिंह चौहान ने पधारे हुए अतिथियों के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

सेवा प्रकल्पों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से तारा संस्थान ने केन्द्र एवम् सम्पर्क कार्यालय स्थापित किये हैं। सेवा - प्रकल्प और दान-सहयोग सम्बन्धी जानकारी के लिए आप अपने निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित सम्पर्क कार्यालय या केन्द्र से सम्पर्क कर सकते हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित ''आनन्द वृद्धाश्रम'' ऐसे बुजुर्गों के लिए है, जिनका या तो कोई देखभाल करने वाला नहीं है, या परिवार में इनकी उपेक्षा और तिरस्कार होता है। उम्र के आखरी पड़ाव पर ये एकाकी और पीड़ा भरा जीवन जीने को लाचार हैं। इन बुजुर्गों को 'आनन्द वृद्धाश्रम' में भोजन, वस्त्र, चिकित्सा - देखभाल, एवम् आवास सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ सर्वथा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। तारा संस्थान द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम में आवास करने वाले प्रत्येक बुजुर्ग पर 5000रु. प्रतिमाह व्यय किया जा रहा है। इन असहाय बुजुर्गों को बुढ़ापे के शेष जीवन में सुख - सुविधा पूर्ण चिन्तामुक्त जीवन यापन का अवसर सुलभ हो सके - यही हमारा मानवीय उद्देश्य है। जो करुणाशील, दानी महानुभाव इन बुजुर्गों की परिस्थितियों के प्रति संवेदन शीलता का भाव रखते हैं, उनसे हमारा विनम्र निवेदन है कि वे कृपया 5000रु. प्रति बुजुर्ग प्रतिमाह की दर से अपना दान - सहयोग तारा संस्थान को प्रेषित करने की कृपा करें।

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित वृद्धाश्रम के बारे में दिल्ली में रहने वाली मेरी छोटी बहिन ने आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में मुझे जानकारी दी। मेरी बहिन व बहनोई हम पति - पत्नी को लेकर उदयपुर स्थित आनन्द वृद्धाश्रम में पहुँचे। आज हम दोनों पति - पत्नी वृद्धाश्रम में रहकर अपने आपको धन्य मान्य रहे हैं। जो प्रेम हमारे बच्चों ने हमें नहीं दिया उससे बढ़कर अपनापन एवं सान्निध्य हमें यहाँ के लोगों से प्राप्त हुआ। हम दोनों एक ऐसे परिवार में आकर सम्मिलित हुए हैं जहाँ हमें भरपूर अपार प्रेम मिल रहा है। दोनों समय का भोजन, नाश्ता - पानी, कपड़े - लत्ते, मनोरंजन के भरपूर साधन हमें यहाँ उपलब्ध हैं।

निर्धन, असहाय, एकाकी बुजुर्ग बन्धुओं के लिए नि:शुल्क भोजन-वस्त्र-चिकित्सा आवास सुविधायुक्त

आनन्द वृद्धाश्रम प्रति बुजुर्ग प्रतिमाह सहयोग राशि रु. 5000/-

03 माह रु. 15000/-	06 माह रु. 30000/-	01 वर्ष रु. 60000/-

शयन कक्ष

भोजन कक्ष

'आनन्द वृद्धाश्रम' - सेवा का अनुपम अनुष्ठान

अनिल वि. गोडबोले (उज्जैन)

उदयपुर नगर की ख्याति विश्व के कोने-कोने में पहुँचाने वाले डॉ. कैलाश 'मानव' (संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट) का नाम प्रत्येक व्यक्ति की जिह्वा पर है, जिन्होंने मानव सेवा को माधव सेवा मानकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। सेवा के संस्कार उन्होंने अपनी सन्तान को भी उत्तराधिकार में दिये हैं। उनकी सुपुत्री आदरणीया कल्पना गोयल ने एक नये अनुष्ठान 'आनन्द वृद्धाश्रम' का शुभारंभ किया है, जो निराश्रय बुजुर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है। यह वास्तव में एक सराहनीय सेवा - कार्य है, जिसे वे एक बहुत बड़ा आकार देने जा रही हैं।

आधुनिक युग में प्राय: सन्तान अपने माता-पिता से कई कारणों से पृथक रहती हैं, क्योंकि विद्याध्ययन के बाद उन्हें नौकरी अपने घर से बाहर ही प्राप्त होती है। माता-पिता की सेवा का अवसर चाहते हुए भी उन्हें मिल नहीं पाता। विशेष असुविधा तब होती है, जब माता-पिता वृद्धावस्था की चरम सीमा तक पहुँच जाते हैं। उन्हें ऐसे अवसर पर सब प्रकार की सेवा की सख्त आवश्यकता होती है, जबकि सन्तान नौकरी छोड़कर उनके पास आने में असमर्थ रहती हैं। ऐसी दशा में वृद्ध-सेवा आश्रम ही एकमात्र उनके लिए सहायक सिद्ध होता है, जहाँ वे अपना सारा दु:ख-दर्द भूलकर अपना उत्तर जीवन सुविधापूर्वक व्यतीत कर सकते हैं। इस प्रकार के आश्रम यद्यपि देश के कई नगरों में स्थापित हुए हैं, तथापि, ऐसे आश्रम बहुत कम हैं, जहाँ वृद्धजनों को प्राप्त होने वाली सेवा सन्तान की भाँति ही होती हो, और वे आश्रम को ही अपना घर मानकर सारे दु:ख-दर्द भूल जाते हैं।

'आनन्द वृद्धाश्रम' इस कसौटी पर पूर्णत: खरा उतर रहा है, जहाँ अशक्त एवं निराश्रय बुजुर्गों को नि:शुल्क आवास, भोजन, चिकित्सा तथा मनोरंजन, धार्मिक प्रवचन एवं जीवन की अन्य आवश्यक सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। सेवा का यह अनुष्ठान अनुपम है। बहन कल्पना जी गोयल यह पवित्र काम अपने हाथ में लेकर देश को यह संदेश दे रही हैं कि नर की सेवा ही नारायण की सेवा है। आपके इस कार्य को देखकर हम अभिभूत हैं और भगवान महाकालेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सेवा के इस अनूठे संकल्प को सतत आशीर्वाद से क्रियान्वित रखें।

आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले हमारे सम्मानित बुजुर्ग

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्प

तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम

पीड़ित मानवता के हृदय-स्पर्शी दृश्य हमें कहीं भी, यत्र-तत्र-सर्वत्र देखने को मिल जाते हैं। गरीबी, बीमारी, वृद्धावस्था, संतानहीनता, एकाकीपन, परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार, परित्याग आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनसे व्यक्ति पीड़ा और दुःख-दर्द का मूर्तिमान जीवन्त रूप बन जाता है। आपने विपन्नावस्था में जकड़े हुए ऐसे कई चेहरे देखे होंगे, जिन्हें देखकर आपकी संवेदनशीलता विषाद में डूबी होगी, और जिनके लिए कुछ सार्थक सहायता-सेवा करने की प्रबल भावना आपके मन में जागृत हुई होगी। 'तारा संस्थान' ने ऐसे ही संवेदनशील, करुण हृदय महानुभावों की भावनाओं को क्रियात्मक रूप देने के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' का संचालन प्रारंभ किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में अभावग्रस्त, अशक्त, बेसहारा, एकाकी वृद्ध बन्धुओं के भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल - आवास की सर्वथा निःशुल्क सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

आनन्द वृद्धाश्रम - मुख्य बिन्दु

आधारभूत संरचना, प्रदत्त सुविधाएँ, उपलब्ध व्यवस्थाएँ -

● 3 बड़े, खुले, हवादार कक्ष, 25 पलंग, सामान रखने के लिए अलमारियाँ। ● साफ-सुथरे गद्दे, चद्दर, तकिये, कम्बल, धुलाई-सफाई की व्यवस्था। ● एक बड़ा भोजन कक्ष, एक साथ भोजन-नाश्ते के लिए। ● एक बड़ा बैठक कक्ष-टी.वी., सोफे, कुर्सी सहित। ● पुस्तकालय/वाचनालय - पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि की व्यवस्था। ● चिकित्सक उपलब्ध, प्रति सप्ताह शारीरिक जाँच, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु। ● प्रातः चाय/दूध, नाश्ता, मध्याह्न-रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, चपाती, दही, सायं - चाय, बिस्किट या कोई हल्का खाद्य, मौसमी फल आदि। ● आनन्द वृद्धाश्रम भवन, प्रकाश युक्त, हवादार, खुले परिसर में होने से घूमने-फिरने, उठने-बैठने, विश्राम करने की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल।

^vkuUn o`)kJe ,d iz;kl gS & o`)tuksa dks 'kkjhfjd ,oa ekufld lq[k&larqf"V nsdj
muds thou esa [kqf'k;ksa ds iy o<+kus dk] vkSj rdyhQksa ds vglkl dks de djus dkA

पात्रता

'आनन्द वृद्धाश्रम' उन बुजुर्ग बन्धुओं के लिए है, जो निर्धन, निराश्रय, एकाकी एवं कोई काम-श्रम करने में अशक्त हैं, या जो गरीबी के कारण परिवार द्वारा तिरस्कृत, अपमानित, परित्यक्त जीवन जी रहे हैं, और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उपर्युक्त व्यवस्थाओं और सुविधाओं सहित प्रत्येक वृद्धजन के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में निःशुल्क आवास पर तारा संस्थान 5000रु. मासिक व्यय कर रहा है।

आनन्द वृद्धाश्रम - मासिक व्यय विवरण

● भोजन-नाश्ता, चाय, दूध, फल	- 3000/-
● दवाइयाँ	- 700/-
● कपड़े, जूते, चप्पल, मौजे आदि	- 500/-
● बिजली-पानी खर्च, तेल, साबून, स्टाफ वेतन, चिकित्सक शुल्क, कपड़ा धुलाई आदि	- 800/-

प्रति बुजुर्ग प्रतिमाह कुल व्यय - 5000/-

खाद्य - सामग्री सहायता से लाभान्वित बुजुर्ग बन्धु

गीता बाई, सवना

नाथी बाई मीणा, गुडेल

तृप्ति योजना - असहाय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री सहायता

चेहरों पर स्पष्ट दिखती झुर्रियाँ और आँखों की गहराइयों में झलकती असहाय अवस्था उनके जीवन संघर्षों की व्यथा का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने भी किसी की देख-भाल की होगी, किसी को सहारा दिया होगा, लेकिन .....। आज उनकी देख-भाल करने वाला कोई नहीं, यहाँ तक कि उन्हें दो-समय भरपेट भोजन भी नसीब नहीं। तारा संस्थान ने इन असहाय निर्धन, एकाकी बुजुर्ग बन्धुओं की यथा-शक्य सहायता का उपक्रम प्रारंभ किया है, जिससे इन निराश्रय बुजुर्ग बन्धुओं के लिए दो-समय भरपेट भोजन और मौसम की मार से बचने के लिए बिस्तर-कपड़े आदि की व्यवस्था सुलभ और सुनिश्चित की जा सके। इस उपक्रम के अन्तर्गत एक बुजुर्ग की सहायता पर 18000रु.(अठारह हजार रुपया) वार्षिक व्यय हो रहा है।

खाद्य राहत सामग्री के अतिरिक्त जरूरतमन्द बुजुर्गों को कपड़े - कम्बल आदि भी वितरित किये जाते हैं, व उनके टूटे-फूटे झोपड़ों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए भी सहायता दी जा रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)
खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रतिव्यक्ति, प्रतिमाह

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

शास्त्रों में कहा गया है - **अन्नदानं महादानम्,**
अर्थात् - अन्न या अन्न के निमित्त दान सबसे बड़ा दान है।

गौरी योजना - निराश्रय विधवाओं को नकद सहायता

(निराश्रय विधवा महिलाओं को प्रतिमाह नकद आर्थिक सहायता)

भारतीय परिवार जिस एक धुरी पर केन्द्रित है, वह है घर की महिला, चाहे वह माँ हो या पत्नी। लेकिन, कभी कभी ऐसा संकट आता है कि यह धुरी डगमगा जाती है। पति की असमय मृत्यु, ससुराल द्वारा घर से निकाले जाने के बाद मायके द्वारा नहीं अपनाना, वृद्धावस्था, बीमारियों से ग्रसित होने पर बच्चों द्वारा तिरस्कार...

ये कुछ ऐसी परिस्थितियाँ हैं, जो एक स्त्री को असहाय अबला बना देती है।

ऐसी ही कुछ असहाय महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिए एक छोटी सी सहायता देना चाहते हैं, आपकी मदद से, सद्भावना से.....

गौरी योजना दान-सहयोग राशि, प्रति महिला प्रति माह - 1000 रु.
3000 रु. (3 माह), 6000 रु. (6 माह), 12000 रु. (एक वर्ष)

गौरी योजनान्तर्गत लाभान्वित महिलाएँ

नाम	आयु	मोबाइल नं.	नाम	आयु	मोबाइल नं.
श्रीमती इन्द्रा पाहुजा	42 वर्ष	9269723022	श्रीमती रमीला	40 वर्ष	
श्रीमती लक्ष्मी देवी	60 वर्ष		श्रीमती कृष्ण	40 वर्ष	9812705000
श्रीमती कंकु बाई	40 वर्ष	9784756466	श्रीमती सवीता देवी	34 वर्ष	9973520100
श्रीमती समता राठौड	36 वर्ष	9784015128	श्रीमती भिकनी देवी	40 वर्ष	
श्रीमती निर्मला	23 वर्ष	9680640514	श्रीमती राधा बाई	51 वर्ष	9672511116
श्रीमती गिरजा गुर्जर	45 वर्ष		श्रीमती नाथीबाई जोगी	37 वर्ष	
श्रीमती हर्षा देवी	28 वर्ष		श्रीमती बसन्त बाई	36 वर्ष	
श्रीमती संध्या हरकावत	44 वर्ष	9509338947	श्रीमती थावरी मीणा	63 वर्ष	
श्रीमती शर्मीला पंचाल	23 वर्ष		श्रीमती लाली बाई माली	83 वर्ष	
श्रीमती प्रेमबाई महात्मा	41 वर्ष	9887253925	श्रीमती सुशीला श्रीमाली	26 वर्ष	9950283239
श्रीमती दुर्गा आचार्य	40 वर्ष	9828161581	श्रीमती सुमित्रा जैन	41 वर्ष	
श्रीमती प्रमिला भेरविया	43 वर्ष	9460421835	श्रीमती सुमित्रा आचार्य	36 वर्ष	
श्रीमती बबली गुर्जर	36 वर्ष	9718437757	श्रीमती गीता देवी	45 वर्ष	9461474536
श्रीमती कामिणी शर्मा	29 वर्ष		श्रीमती मंजू देवी	54 वर्ष	9314613344
श्रीमती पुष्पा सिंह	31 वर्ष		श्रीमती गुलाब बाई	85 वर्ष	9672511116
श्रीमती संतोषी बाई	36 वर्ष		श्रीमती प्यारी देवी	63 वर्ष	9413787435
श्रीमती प्रेम बाई	37 वर्ष		श्रीमती सोहन कँवर	33 वर्ष	9414385411
श्रीमती साधना सहलोत	44 वर्ष		श्रीमती पदमा कुँवर	25 वर्ष	9680952689
श्रीमती कंकु बाई	37 वर्ष	9784020998	श्रीमती गंगा देवी सालवी	40 वर्ष	9460264769
श्रीमती शारदा	75 वर्ष	9672511116	श्रीमती कमला कुँवर	25 वर्ष	
श्रीमती बंशी बाई	36 वर्ष		श्रीमती आनन्द कुँवर	30 वर्ष	9602639420
श्रीमती शारदा मेघवाल	40 वर्ष		श्रीमती दुर्गा देवी	25 वर्ष	9783638582
श्रीमती थावरी मीणा	63 वर्ष		श्रीमती सरिता डनसेना	26 वर्ष	

श्रीमती चन्द्र देवी शर्मा	46 वर्ष	9926727704	श्रीमती मीना जी कुंवर	38 वर्ष	8875095124
कुमारी बाई राठौर	41 वर्ष		श्रीमती राधा बाई	39 वर्ष	9929535792
अनिता अग्रवाल	39 वर्ष	9669520205	श्रीमती सीमा जोशी	50 वर्ष	9152325343
पुजी बाई	40 वर्ष	9981752039	श्रीमती नूतन	40 वर्ष	9252468919
अनिता यादव	26 वर्ष	9754210888	कुमारी बाई राठौर	34 वर्ष	9753468950
गीता दुबे	43 वर्ष	9329817446	श्रीमती गोदावरी कुमावत	38 वर्ष	9636632693
श्रीमती कामिनी तिवारी	41 वर्ष	9286506757	श्रीमती अनिता श्रीवास्तव	39 वर्ष	9713288829
श्रीमती बेटी बाई	70 वर्ष	9602506303	श्रीमती नीला कुंवर	23 वर्ष	9660924899
श्रीमती चन्द्रा शर्मा	40 वर्ष	7697000070	श्रीमती भदीना बेगम	50 वर्ष	7762272370
श्रीमती अंजु सोनी	--		श्रीमती सरिता झा	30 वर्ष	8662615273
श्रीमती दीपिका	34 वर्ष	8696380978	श्रीमती पूनम झा	33 वर्ष	9589341201

श्रीमती सरिता डनसेना

श्रीमती कमला कुँवर

श्रीमती अनिता अग्रवाल

श्रीमती चम्पा देवी शर्मा

पाठकों के पत्र

गायों के लिए ''गौशाला'' व वृद्धजनों के लिए ''वृद्धाश्रम'' भारतीय संस्कृति की देन नहीं है एवं हर परिवार के लिए गौ पालन व बुजुर्गों को सम्मानजनक जीने की पद्धति, अतीत की नहीं वरन वर्तमान में भी आवश्यक है। परन्तु, अभी इन दोनों की दुर्दशा देखी नहीं जाती। भौतिकवादिता एवं बिखराव के इस विकट समय में, कुछ ही ऐसे संयुक्त परिवार हैं जो अपनी सहनशीलता बढ़ाकर तथा अपने व्यक्तिगत हितों को त्याग कर, जीवन की उपादेयता व श्रेष्ठता को प्रस्तुत करते हैं। अमृतोत्सव का आनंद उन परिवारों को ज्यादा अनुभव होता है जिन्होंने ''पतझड़'' में भी ''बसंत'' को सँवारा हो। पतझड़ में पेड़ों से अलग होती पत्तियाँ, बुजुर्गों को यह याद दिलाती है कि जीवन के इस उत्तरार्द्ध में हमारी ज्ञानेन्द्रियाँ एवं कर्मेन्द्रियाँ शिथिल होंगी ही परन्तु तनों (वृद्धजनों) को आत्मबल एवं आध्यात्मिकता का संबल रखते हुये, खड़े रहना है एवं दूसरों के साथ सहृदयता, करुणा, प्रेम व सहयोग बढ़ाकर तथा दूसरों के हित के लिए समय, ज्ञान, श्रम व अर्थ का निवेश करना है। सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत इस वृद्धाश्रम में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधायें भी काफी महत्त्वपूर्ण हैं एवं संतोषजनक हैं। संसार में कुछ ही ऐसी विभूतियाँ हैं जो दूसरों को सुख देकर अपने दुखों को भी आनंद में बदल देते हैं। अच्छे सोच से ही अच्छे कार्य सम्पादित होते हैं। संसार के समस्त जीवों में, ईश्वर की कृति में, मनुष्य ही सर्वोत्तम जीव है। अत: हमें प्रतिदिन एक ऐसा सेवा कार्य करना चाहिए, जिससे हम किसी प्रतिफल की आशा न करें। हर मनुष्य में, ईश्वर ने एक ऐसी विलक्षणता व गुण दिया है जिससे उसके महत्त्व को संसार में नकारा नहीं जा सकता। जो व्यक्ति अपने संकीर्ण सोच से दूसरों में कमियाँ ढूंढ़ता है, वह स्वयं अहम् का प्रतीक है।

श्री राम प्रसाद राठौर, 1 न 6, दादाबाड़ी, कोटा (राज.)

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह जनवरी - फरवरी, 2012 में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण - पंजीकरण व जाँच दृश्य

लक्कड वास शिविर

दिनांक : 22 जनवरी, 2011 (रविवार) स्थान : राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लक्कड़वास, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 125, ऑपरेशन के लिए चयनित - 18
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

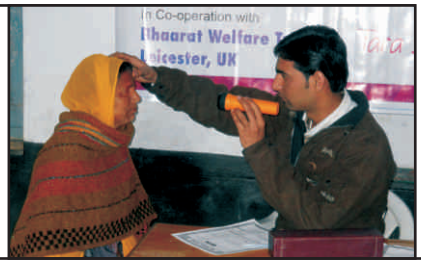

हिता शिविर

दिनांक : 02 फरवरी, 2012 (गुरुवार) स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, हिता, भीण्डर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 111, ऑपरेशन के लिए चयनित - 15
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

शिशवी शिविर

दिनांक : 04 फरवरी, 2011 (शनिवार) स्थान : ग्राम पंचायत, पटवार मण्डल के पास, शिशवी, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : विजन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया, मुम्बई
कुल ओ.पी.डी. - 96, ऑपरेशन के लिए चयनित - 8
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

मोड़ी शिविर

दिनांक : 12 फरवरी, 2012 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत, पंचायत भवन, मोड़ी, भीण्डर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 93, ऑपरेशन के लिए चयनित - 15
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

भूताला शिविर

दिनांक : 15 फरवरी, 2012 (बुधवार) स्थान : राजीव गाँधी सेवा केन्द्र, भूताला (बड़गाँव ब्लॉक), उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमान एन.पी. भार्गव सा., दिल्ली
कुल ओ.पी.डी. - 124, ऑपरेशन के लिए चयनित - 20
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

झाड़ोल शिविर

दिनांक : 19 फरवरी, 2012 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत, गाँव - गौराणा, झाड़ोल, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 137, ऑपरेशन के लिए चयनित - 04
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

फतेहपुर शेखावटी शिविर

दिनांक : 19 फरवरी, 2012 (रविवार) स्थान : सेठ ज्वाला प्रसाद भरतिया हॉस्पीटल, फतेहपुर शेखावटी, सीकर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री लक्ष्मीनाराण धानुका चेरिटेबल ट्रस्ट, मुम्बई
कुल ओ.पी.डी. - 350, ऑपरेशन के लिए चयनित - 100
ऑपरेशन स्थल - बिन्दल आई हॉस्पीटल, फतेहपुर शेखावटी, सीकर

नागौर शिविर

दिनांक : 21 फरवरी, 2012 (मंगलवार) स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय,
भदवासी रेलवे स्टेशन के पास, नागौर (राज.), सौजन्यकर्त्ता : भदवासी प्लास्टर संघ, नागौर
कुल ओ.पी.डी. - 201, ऑपरेशन के लिए चयनित - 45
ऑपरेशन स्थल - भुतड़ा हेल्थ कॉम्पलेक्स, नागौर

उदयपुर शिविर

दिनांक : 11 फरवरी, 2012 (बुधवार) स्थान : तारा संस्थान, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमान एन.पी. भार्गव सा., दिल्ली
कुल ओ.पी.डी. - 114, ऑपरेशन के लिए चयनित - 13
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

नवानिया शिविर

दिनांक : 26 फरवरी, 2012 (रविवार) स्थान : पंचायती नौरा, जैन समाज, नवानिया, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 111, ऑपरेशन के लिए चयनित - 9
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

बड़ौदा शिविर

दिनांक : 26 फरवरी, 2012 (रविवार) स्थान : आत्म ज्योति आश्रम, गोत्री, बड़ौदा (गुजरात)
सौजन्यकर्त्ता : श्री हँसमुख भाई गोहिल, श्री मंजूला बेन गोहिल एवं परिवार, लन्दन, यू.के.
कुल ओ.पी.डी. - 162, ऑपरेशन के लिए चयनित - 7
ऑपरेशन स्थल - वडुवाला आई हॉस्पीटल, बड़ौदा, गुजरात

बलीचा शिविर

दिनांक : 29 फरवरी, 2012 (बुधवार) स्थान : पंचायत भवन, बलीचा, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. - 117, ऑपरेशन के लिए चयनित - 15
ऑपरेशन स्थल - तारा संस्थान, उदयपुर

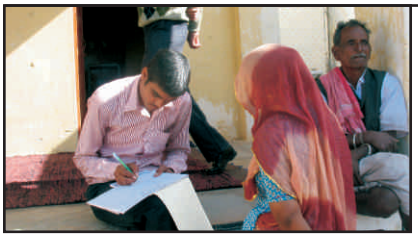

16 जनवरी, 2012 तक आयोजित शिविर - संक्षिप्त विवरण

शिविर स्थल	दिनांक	कुल ओपीडी	कुल ऑपरेशन
झाड़ोल (राज.)	27 फरवरी, 2011	138	22
चावण्ड (राज.)	10 अप्रैल, 2011	150	32
सोनीपत (हरि.)	17 अप्रैल, 2011	263	22
भीलवाड़ा (राज.)	22 अप्रैल, 2011	48	12
सीकर (राज.)	29 मई, 2011	148	38
निन्दड़ (राज.)	08 जून, 2011	150	19
अजमेर (राज.)	19 जून, 2011	46	8
सिरसा (हरि.)	03 जुलाई, 2011	150	21
धुनैला (हरि.)	10 जुलाई, 2011	139	13
गोगुन्दा (राज.)	07 अगस्त, 2011	110	14
कोटा (राज.)	04 सितम्बर, 2011	155	32
फतेहाबाद (हरि.)	04 सितम्बर, 2011	482	132
मंगलवाड़ (राज.)	18 सितम्बर, 2011	59	12
मथानिया (राज.)	25 सितम्बर, 2011	107	12
कालाडेरा (राज.)	08 अक्टूबर, 2011	127	09
मण्डावा (राज.)	16 अक्टूबर, 2011	140	25
बुलन्दशहर (उ. प्र.)	04 नवम्बर, 2011	331	74
करनाल (हरि.)	13 नवम्बर, 2011	518	230
विदिशा (म.प्र.)	18 नवम्बर, 2011	275	45
मेड़तासिटी (राज.)	20 नवम्बर, 2011	151	20
कठार (राज.)	20 नवम्बर, 2011	128	22
धारता (राज.)	20 नवम्बर, 2011	123	22
नासिक (महा.)	21 नवम्बर, 2011	275	50
रावलिया खुर्द (राज.)	27 नवम्बर, 2011	115	15
फतेहाबाद (हरि.)	04 दिसम्बर, 2011	280	151
कठार (राज.)	09 दिसम्बर, 2011	130	18
चक्करपुरा (हरि.)	18 दिसम्बर, 2011	195	09
राणोली (सीकर)	25 दिसम्बर, 2011	115	24
जगत (राज.)	15 जनवरी, 2012	70	14
रेण मेड़तासिटी (राज.)	16 जनवरी, 2012	264	32

'तारा' सम्पर्क कार्यालय

श्री कमलेश जोशी
मो. 8285240611
गुड़गाँव
(हरियाणा)

2/ए, महेन्द्र अपार्टमेन्ट,
राजेन्द्र नगर, बोरीवली (ई.) मुम्बई,
श्री बंशीलाल
मो. 9699257035, 7666680094

आर.जेड., 26-डी, 2 फ्लोर, प्रेम नगर,
उत्तम नगर पश्चिम, दिल्ली - 59
श्री अमित शर्मा, मो. 9999071302
श्री संजय चौबीसा, मो. 9602506303

कृपया पारस चैनल पर 'तारा' के सेवा प्रकल्पों का प्रसारण देखें दोपहर 3.40 से 4.00 बजे रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

धानुका चेरिटेबल ट्रस्ट का सराहनीय योगदान

103 निर्धन मोतियाबिन्द रोगियों की नि:शुल्क चिकित्सा

शिविर में आसनस्थ अतिथि

मुम्बई के श्री लक्ष्मीनारायण धानुका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से तारा संस्थान द्वारा नेत्र रोगियों की जाँच एवम् मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए फतेहपुर (शेखावाटी) में 19 फरवरी, 2012 को शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 350 नेत्र रोगी अपनी आँखों की जाँच के लिए शिविर में उपस्थित हुए, जिसमें से 103 नेत्र रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया, शेष रोगियों को दवाइयाँ वितरित की गई। ऑपरेशन हेतु चयनित रोगियों के बिन्दल आई हॉस्पीटल में डॉ. नरेन्द्र चौहान द्वारा ऑपरेशन किये गये। ऑपरेशन के पश्चात् सभी रोगियों की दृष्टि में संतोषजनक सुधार हुआ है। यह स्मरणीय है कि तारा संस्थान द्वारा आयोजित किये जाने वाले नेत्र जाँच शिविर एवम् मोतियाबिन्द ऑपरेशन रोगियों के लिए सर्वदा नि:शुल्क होते हैं, रोगियों को दवाई, भोजन व यातायात सुविधा भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

इस शिविर में मुख्य अतिथि सूरजगढ़ विधायक श्री श्रवण कुमार चौधरी, श्री महेश चौधरी (सी.टी. ओ. एंटीविजन झुंझुनूं) ने तारा द्वारा असहाय बन्धुओं के लिए की जा रही मानवीय सेवाओं की सराहना की। शिविर में श्री गया प्रसाद धानुका, श्री बुधमल, श्री नरेश कुमार धानुका, श्री हरिप्रसाद धानुका, श्री ललित धेलिया, श्री किशन तथा धानुका परिवार के सदस्यों ने उपस्थित होकर अपने सक्रिय सहयोग सौजन्य से शिविर आयोजन को सफल बनाया। इस बात का सहर्ष उल्लेख करना आवश्यक है कि धानुका परिवार ने अपने पैतृक स्थान फतेहपुर के असहाय बन्धुओं की नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा सेवार्थ यह शिविर प्रायोजित करके क्षेत्रवासियों के प्रति अपनी ममता व स्नेह का परिचय दिया है। शिविर आयोजन की व्यवस्थाएँ संस्थान के साधक विनय जैन, जिम्मी सोनी, दिनेश सिसोदिया, भँवरलाल आदि की देखरेख में हुई।

भदवासी प्लास्टर संघ, नागौर की सेवा भावना

47 निर्धन मोतियाबिन्द रोगियों की नि:शुल्क चिकित्सा

शिविर उद्घाटन अवसर पर मंचासीन अतिथि

तारा संस्थान, उदयपुर एवम् भदवासी प्लास्टर संघ, नागौर के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 21 फरवरी, 2012 को राजकीय माध्यमिक विद्यालय भदवासी में एक भव्य नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ प्रधान मोहिनी देवी धुंधवाल व माली समाज, नागौर के अध्यक्ष श्री कृपाराम जी देवड़ा के सान्निध्य में किया गया। शिविर में चयनित रोगियों के ऑपरेशन भूतड़ा हेल्थ कॉम्पलेक्स, नागौर के सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र सुथार द्वारा किये गये। शिविर में कुल 176 रोगियों के नेत्र परीक्षण किये गये तथा 47 रोगियों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। इसके साथ ही दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया। शिविर को सफल बनाने में तारा संस्थान के विनय जैन, जिम्मी सोनी, दिनेश सिसोदिया तथा गणपत सिंह झाला ने महत्त्व पूर्ण सहयोग दिया।

श्री हॅसमुख भाई गोहिल (यू.के.) के सौजन्य से...

20 निर्धन मोतियाबिन्द रोगियों की नि:शुल्क चिकित्सा

श्री हॅसमुख भाई गोहिल (बाएँ से चतुर्थ)

तारा संस्थान के हितैषी एवम् लन्दन निवासी श्री हॅसमुख भाई गोहिल श्रीमती मंजूला बेन एवम् गोहिल परिवार के सहयोग सौजन्य से बड़ौदा (गुजरात) के आत्म ज्योति आश्रम में दिनांक 26 फरवरी, 2012 को मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया। तारा संस्थान द्वारा आयोजित इस शिविर में 162 नेत्र रोगियों की जाँच की गई, जिनमें से 20 रोगी ऑपरेशन के लिय चयनित हुए व 7 रोगी के ऑपरेशन सम्पन्न हुए। ऑपरेशन बड़ौदा स्थित वडुवाल आई हॉस्पीटल में किये गये। यह उल्लेखनीय है कि श्री हॅसमुख भाई गोहिल के सौजन्य से समय - समय पर नेत्र रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन सम्पन्न करवाये जा रहे हैं। शिविर प्रभारी श्री कालू लाल पटेल एवम् संस्थान के साधक सर्व श्री प्रकाश आचार्य, शंकर चौबीसा तथा नरेन्द्र सिंह झाला ने अपना योगदान किया।

मोतियाबिन्द चिकित्सा (शिविर)

नि:शुल्क मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन

'तारा नेत्रालय, उदयपुर' में आने वाले रोगियों की नि:शुल्क जाँच के पश्चात् मोतियाबिन्द ऑपरेशन भी नि:शुल्क किये जाते हैं। प्रत्येक रोगी और उसके एक परिजन के लिए भोजन - आवास व्यवस्था भी नि:शुल्क है।

दान-सहयोग सौजन्य राशि, प्रति ऑपरेशन - 3,000 रु.

नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

दानदाता द्वारा प्रायोजित स्थान पर शिविर आयोजन, शिविर के लिए प्रचार-प्रसार कार्य, शिविर में उपस्थित रोगियों के नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन, शिविर में रोगियों को मध्याह्न भोजन। दान-दाता के नाम का शिविर विवरण सहित 'तारांशु' में उल्लेख, विवरण, फोटो दानदाता को प्रेषित किये जाएँगे।

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 1,00,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चश्मा जाँच, चश्मा वितरण, दवाइयाँ आदि हेतु

शिविर सहायता -सामग्री सौजन्य राशि प्रति शिविर - 21,000 रु.

आजीवन संरक्षक - सौजन्य - 21000 रु. (संचित निधि में) आजीवन सदस्य - सौजन्य - 11000 रु. (संचित निधि में) (संचित निधि पर प्राप्त ब्याज से मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जाएँगे।)

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**

अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273

'तारा' केन्द्र प्रभारी

श्रीमान् एस.एन. शर्मा
मुम्बई (महा.)
मो. : 9869686830

श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा
बांसवाड़ा (राज.)
मो. : 9414101236

श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया
हैदराबाद (आ.प्र.)
मो. : 9849019051

प्रभा जी झंवर
अमरावती
मो. : 9823066500

श्रीमान् पवन सुरेका जी
मधुबनी (बिहार)
मो. : 9430085130

श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना
भोपाल (म.प्र.)
मो. : 9617952303

श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता
फरीदाबाद (हरियाणा)
मो. : 9873722657

श्रीमान् अनिरुद्ध जी धुपकर
उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9993071937

श्रीमान् सुरेश जी चौधरी
श्यामगढ़ (म.प्र.)
मो. : 9926506323

श्री कुलभूषण पाराशर
बर्मिंघम (इंग्लैण्ड)
फोन (0044) 121 5320846,
मो. (0044) 7815430077

श्रीमान् एस.एन. अग्रवाल सा.
कोलकाता
मो. : 9339101002

श्रीमान् सेठ मल मोदी सा.
दुमका (झारखण्ड)
मो. : 9308582741

श्रीमान् करण गुप्ता जी
जयपुर (राज.)
मो. : 9784597115

श्रीमान् अनिल विश्वनाथ गोडबोले
उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9424506021

दानदाताओं के प्रति आभार

दान-दाताओं से सादर अनुरोध है कि दान-सहयोग के साथ अपना फोटोग्राफ भी 'तारांशु' में प्रकाशनार्थ प्रेषित करने की कृपा करें।

श्री पुरण सिंह एवं श्रीमती शिला देवी चौधरी, गुजरात

श्री आर.के. एवं श्रीमती मूर्ति देवी गुप्ता, ठाणे

श्री एच.एस. एवं श्रीमती अंगूरी देवी यादव, गुड़गाँव

श्री भीम सेन एवं श्रीमती सलोचना मित्तल, दिल्ली

श्री मोहन लाल एवं श्रीमती रुकमणी कुमावत, जयपुर

श्री प्रमोद एवं श्रीमती मधु जैन, जयपुर

डॉ. सतीश एवं डॉ. सकला जी गर्ग,

श्री संत कुमार एवं श्रीमती राजकुमारी वर्मा जयपुर

श्री विजय शर्मा, दिल्ली

श्रीमती उर्मिला अरोड़ा, बरेली

श्री सुदेश कुमारी, दिल्ली

श्रीमती श्वेता गुप्ता, शाहजहांपुर

श्रीमती शिवा काला देवी

श्रीमती शशि देवी, जोधपुर

श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, जयपुर

श्री रमेश चन्द गुप्ता, फरीदाबाद

श्री राजेश सिंह, जयपुर

श्री राम गोपाल गुप्ता, जयपुर

श्री राधेश्याम खेतान, यवतमाल

श्रीमती पुष्पा जी सिंघल, शाहजहांपुर

श्रीमती निर्मला जालानी

श्री एन.पी. गुप्ता द्वारका, दिल्ली

श्री महाराज कृष्ण जालानी, दिल्ली

श्री अभिषेक गुप्ता, शाहजहांपुर

श्री कुशल रेवारी, गाँधीधाम

श्री ज्ञान चन्द कोठारी, यवतमाल

द्रौपदी गोयल, हरव्दानी

श्री देवी सिंह सोलंकी, जोधपुर

श्री डी.पी. बंसल, जयपुर

श्री विष्णु कुमार गुप्ता, बरेली

श्रीमती चन्द कांता शर्मा, जयपुर

श्री भंवर लाल परिहार, जोधपुर

श्री बाली राम शर्मा, दिल्ली

श्री बाल कृष्ण गोयल, हलव्दानी

स्व. श्री पंकज शिव कुमार, भूतड़ा

श्री आर्यन परेश, मुम्बई

श्री सुरेन्द्र एवं श्रीमती सुषमा संचेती, जोधपुर

श्री अशोक एवं श्रीमती सर्गतन सिंह,

श्री जय कुमार एवं श्रीमती दर्शन जैन, दिल्ली

श्री मानव एवं सुश्री निधि फरीदाबाद

श्री राकेश कुमार एवं श्रीमती उषा रानी गोयल, मुज्जफर नगर

श्री रमेश कुमार एवं श्रीमती रुकमणी जैन, मुज्जफर नगर

श्री आर.पी. एवं श्रीमती मिथलेश अग्रवाल, बरेली (यूपी)

श्री वी.एस. एवं श्रीमती सरोज भारद्वाज, बरेली (यूपी)

स्व. श्री संत लाल एवं श्रीमती केलाशो देवी गुप्ता, मुतदावाद

श्री अरविन्द कुमार एवं श्रीमती मधु अग्रवाल, फरीदपुर, बरेली (यूपी)

श्री शशि एवं श्रीमती किरण लता अग्रवाल, कोलकाता

श्री गिरिश कुमार एवं श्रीमती शकुन्तला भारद्वाज, अलवर (राज.)

श्री तेजराज नोरजा

श्री राम विलास रत्न लाल मन्तरी

श्रीमती शकुन्तला मानिकचन्द मुणोत

श्री एस.के. वर्मा, रायपुर

श्री आर.के. कस्येप रायपुर

श्री अयोध्या प्रसाद गबेल, खरसिया

श्री सतीश चन्द्र वर्मा, बरेली (यूपी)

श्रीमती शिरजा अग्रवाल, फरीदपुर (यूपी)

श्रीमती शालिनी अग्रवाल, फरीदपुर (यूपी)

श्रीमती अलका सक्सेना, फरीदपुर (यूपी)

श्री अर्पित सक्सेना, फरीदपुर (यूपी)

श्री हर्षित अग्रवाल, फरीदपुर (यूपी)

श्री अरविन्द कुमार, मेरठ

श्रीमती सुषमा जी, मेरठ

स्व. श्रीमती अनुराधा थपलियाल, दिल्ली

श्री प्रेम किशन सोलंकी, जोधपुर

श्री राम प्रसाद जापू, चन्द्रपुर

डॉ. राजेश्वरी राठी, मेरठ

श्री इन्द्र कुमार सेखरी, मेरठ

श्री हरिश चान्दना, मेरठ

श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, मेरठ

श्री राम करण दास, जिन्द

श्रीमती करुणा देवी शारदा, मेरठ

श्री के.एस.सी. शारदा, मेरठ

श्री हेवेन्द्र दीक्षित, मेरठ

श्रीमती सुधा दीक्षित, मेरठ

श्रीमती मालती, मेरठ

श्री मुकेश कुमार, सोनीपत

श्री महेन्द्र चन्द भसाली एवं श्रीमती सुनीता जैन,
जोधपुर

श्री एवं श्रीमती भानु प्रकाश अग्रवाल,
बुलन्दशहर (यू.पी.)

श्री एवं श्रीमती युद्धवीर सिंह,
हिसार

श्री एवं श्रीमती जे.के. जैन सा.,
रोहिणी, दिल्ली

श्री श्रवण एवं श्री भगवान साहेन,
खरसिया

श्री एवं श्रीमती नाथ राम जैन,
हिसार

श्री एवं श्रीमती जगदीश बिन्दल,
हिसार

श्री सुशील कुमार एवं श्रीमती निर्मला जैन,
जयपुर

श्रीमती ललिता सुन्दर,
फरीदाबाद

श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव,
गोरखपुर

श्री ज्वाला प्रसाद गर्ग,
कैथल

श्रीमती जेटली रत्ना,
दिल्ली

श्रीमती हिरी बेन,
जन्मभाष्टी

श्री हरी हर रघुनाथ,
मुम्बई

श्रीमती डुकवलीत बाई देवागंत,
चाम्पा

स्व. श्री प्रताप किशन जेटली,
साकेत, दिल्ली

श्री मोहन लाल श्याम सोनी,
अंजार

श्रीमती चुन्नी बाई,
बैंगलोर

श्री भादर मल अग्रवाल,
गोरखपुर

श्रीमती निर्मला मुन्थदाद,
चन्द्रापुर

श्रीमती निर्मला नरवाना,
जिन्द

श्री एन.पी. अजीत सरिया,
गोरखपुर

श्रीमती प्रेमलता,
जिन्द

श्री पुरुषोत्तम सिंगला,
फतेहाबाद

श्रीमती पुष्पा,
गोरखपुर

श्री आर.के. रस्तोगी,
शाहदरा, दिल्ली

श्री संजय कुमार लाट,
गोरखपुर

श्री संजीव शर्मा,
मुजफरनगर

श्री सतपाल कपूर,
दिल्ली

श्री निवास अग्रवाल,
खरसिया

श्री वस राम जी,
जन्मभाष्टी

श्री विजय जैन,
हिसार

श्री विश्व नाथ,
चित्तावट

श्री यश कपूर,
दिल्ली

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व
35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

ICICI Bank A/c No. 004501021965 SBI A/c No. 31840870750 HDFC A/c No. 12731450000426

इन्हें भी मिली 'तारा' से नेत्र ज्योति

(नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के पश्चात् रोगी बन्धु)

श्रीमती रहीसा
फतेहपुर, सीकर (राज.)

श्री मदन लाल
फतेहपुर, सीकर (राज.)

श्री बलदेवा
करनाल (हरियाणा)

श्रीमती बरतो
करनाल (हरियाणा)

श्रीमती जेतून
रेण, नागौर (राज.)

श्रीमती झनकारी
रेण, नागौर (राज.)

श्रीमती जमकु बाई
हिता, उदयपुर (राज.)

श्री दीप लाल
हिता, उदयपुर (राज.)

श्री हरजी
लक्कड़वास, उदयपुर (राज.)

श्रीमती कजोडी बाई
लक्कड़वास, उदयपुर (राज.)

श्री लालू नाथ
मोडी, उदयपुर (राज.)

श्रीमती अंटी बाई
मोडी, उदयपुर (राज.)

श्री हमीद खाँ
भदवासी, नागौर (राज.)

श्रीमती गुलाब बानी
भदवासी, नागौर (राज.)

श्रीमती चुकी देवी
भदवासी, नागौर (राज.)

श्री माधू सिंह
भदवासी, नागौर (राज.)

तारांशु हिन्दी मासिक, मार्च, 2012
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प

नेत्र चिकित्सा सेवा

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तृप्ति योजना सेवा

निराश्रय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री

गौरी योजना सेवा

निराश्रय विधवाओं को नकद सहायता राशि

आपसे प्रार्थित, अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु. 03 ऑपरेशन - 9000 रु. 06 ऑपेरशन - 18000 रु. 09 ऑपरेशन - 27000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 माह - 1500 रु. 03 माह - 4500 रु. 06 माह - 9000 रु. 01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 माह - 1000 रु. 03 माह - 3000 रु. 06 माह - 6000 रु. 01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु. 03 माह - 15000 रु. 06 माह - 30000 रु. 01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आपके दान - सहयोग से लाभान्वित रोगियों के फोटो, नाम, पता आदि का विवरण आपको प्रेषित किया जायेगा।

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन

कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**

अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273

कृपया 'तारा' के सेवा प्रकल्पों का 'पारस' चैनल पर प्रसारण देखें - दोपहर 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org